संख्याः 1/सी0एम0-109/तीन-2014-25(4)/2014

प्रेषक,

आलोक रंजन,
मुख्य सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

1. समस्त प्रमुख सचिव/सचिव, उत्तर प्रदेश शासन।
2. समस्त मण्डलायुक्त, उत्तर प्रदेश।
3. समस्त जिलाधिकारी, उत्तर प्रदेश।
4. समस्त विभागाध्यक्ष, उत्तर प्रदेश।

सामान्य प्रशासन अनुभाग लखनऊ :: दिनांक : 26 जून, 2014

विषयः स्व-प्रमाणीकरण व्यवस्था लागू किये जाने के संबंध में।

महोदय,

वर्तमान में उत्तर प्रदेश सरकार के विभिन्न विभागों द्वारा जन-सामान्य को प्रदत्त की जा रही अनेक शासकीय सेवाओं का लाभ लेने के लिए आवेदक को आवेदन पत्र के साथ संलग्नक के रूप में शपथ पत्र अनिवार्यतः जमा करने की व्यवस्था है। विभिन्न शैक्षिक संस्थानों में प्रवेश हेतु, विभिन्न विभागों में भर्ती हेतु, विभिन्न प्रकार के प्रमाण पत्र यथा-आय, जाति, निवास आदि प्राप्त करने एवं अन्य सेवाओं की सुविधा प्राप्त करने हेतु आवेदक को शपथ पत्र के साथ आवेदन करना बाध्यकारी है। शपथ पत्र बनवाने की प्रक्रिया एवं उस पर होने वाले समय तथा धन के व्यय के दृष्टिगत उपरोक्त प्रक्रिया आवेदकों हेतु अत्यन्त असुविधाजनक एवं कष्टकारी साबित हो रही है। इस कठिन प्रक्रिया के कारण उत्तर प्रदेश सरकार की विभिन्न जनहितकारी योजनायें प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से प्रभावित होती हैं।

2- इस संबंध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि शासन द्वारा सम्यक् विचारोपरान्त जनसेवा/जन सुविधा/ई-सुविधा/लोकवाणी केन्द्रों इत्यादि के माध्यम से प्रदान की जा रही शासकीय सेवाओं की प्रक्रिया को सुगम बनाने हेतु निम्नलिखित निर्णय लिये गये हैं:-

(2.1) विभिन्न विभागों की शासकीय सेवाओं हेतु आवेदन की प्रक्रिया को सुगम बनाये जाने हेतु ऐसी विभिन्न शासकीय सेवायें, जिन्हें प्राप्त करने हेतु आवेदन पत्र के साथ संलग्नक के रूप में शपथ पत्र लिया जाना अनिवार्य है, के स्थान पर जनहित में आवेदक का स्व-प्रमाणित घोषणा पत्र स्वीकार किया जायें।

(2.2) शपथ पत्र की अनिवार्यता पूरी तरह से समाप्त कर दी गयी है।

(2.3) स्व-प्रमाणित घोषणा पत्र का प्रारूप इस शासनादेश के साथ संलग्न है।

(2.4) स्वतः घोषणा पत्र सादे कागज पर होगा, इसके लिए स्टाम्प पत्र आवश्यक नहीं होगा।

http://shasanadesh.up.nic.in

3- मुझे यह भी कहने का निदेश हुआ है कि विभिन्न प्रयोजनों हेतु आवेदक से आवेदन पत्र के साथ अपने अंक पत्र अथवा अन्य प्रमाण पत्रों की राजपत्रित अधिकारियों द्वारा अनुप्रमाणित छाया प्रतियाँ संलग्न करने की अनिवार्यता को भी समाप्त किया जाता है तथा भविष्य में आवेदक द्वारा उक्त प्रस्तर-2 के अनुसार प्रस्तुत स्व-प्रमाणित अंक पत्र/प्रमाण पत्र मान्य होगा एवं आवेदक को राजपत्रित अधिकारियों द्वारा अनुप्रमाणित छाया प्रतियाँ संलग्न करने हेतु बाध्य नहीं किया जायेगा।

4- स्व-प्रमाणीकरण की यह व्यवस्था ऐसे मामलों में लागू नहीं होगी, जहाँ किसी अधिनियम या अधिनियम के तहत बनाई गई नियमावली के अंतर्गत अथवा मा0 न्यायालय के आदेशानुसार शपथ पत्र प्रस्तुत करने की बाध्यता होगी।

5- समस्त जनसेवा/जनसुविधा/ई-सुविधा/लोकवाणी केन्द्रों द्वारा संशोधित आवेदन स्वीकार करने हेतु तुरन्त अग्रिम कार्यवाही की जाये। जनसेवा/जनसुविधा/ई-सुविधा/ लोकवाणी केन्द्रों के माध्यम से सेवाऐं प्रदान करने हेतु विकसित की गयी स्टेट पोर्टल/ एस.एस.डी.जी./ई-डिस्ट्रिक्ट एप्लीकेशन में उपरोक्त के संदर्भ में आवश्यक कस्टमाईजेशन किया जाये। इसके अतिरिक्त प्रस्तर-3 से संबंधित अन्य समस्त विभाग भी उपरोक्त के संबंध में संशोधित आवेदन स्वीकार करने हेतु वांछित कार्यवाही एवं अन्य समस्त आवश्यक कस्टमाईजेशन की कार्यवाही तत्काल पूर्ण कर लें।

6- कृपया उक्त आदेशों का तात्कालिक प्रभाव से कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाये।

संलग्नक: यथोक्त।

भवदीय,
आलोक रंजन
मुख्य सचिव।

संख्याः 1/सी0एम0-109 (1)/तीन-2014, तद्दिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- प्रमुख सचिव, श्री राज्यपाल, उ0प्र0।
2- प्रमुख सचिव, मा0 मुख्यमंत्री, उ0प्र0 शासन।
3- प्रमुख सचिव, विधान सभा/विधान परिषद, उ0प्र0 ।
4- निबन्धक, मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद ।
5- स्टाफ आफिसर, मुख्य सचिव, उ0प्र0 शासन।
6- महालेखाकार, उ0प्र0, इलाहाबाद।
7- सचिव, भारत सरकार, कार्मिक लोक शिकायत एवं पेंशन, नई दिल्ली।
8- निदेशक सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग को इस शासनादेश का आवश्यक प्रसार एवं प्रचार कराने हेतु।
9- तकनीकी निदेशक, नेशनल इन्फार्मेटिक्स सेन्टर (उ0प्र0राज्य इकाई), योजना भवन, लखनऊ को सामान्य प्रशासन विभाग की 'वेबसाईट' पर डालने हेतु।
10- सचिवालय के समस्त अनुभाग।

आज्ञा से,
अर्चना अग्रवाल
प्रमुख सचिव।

http://shasanadesh.up.nic.in

शासनादेश संख्याः सी0एम0-109/तीन-2014, दिनांक 26 जून, 2014 का संलग्नक

स्व-प्रमाणित घोषणा पत्र

मैं,.....पुत्र/पुत्री/पत्नी/श्री/श्रीमती.....उम्र.....
...वर्ष.....व्यवसाय.....निवासी.....
.....
..... प्रमाणित करते हुये घोषणा करता/करती हूँ कि आवेदन पत्र में दिये गये विवरण/ तथ्य मेरी व्यक्तिगत जानकारी एवं विश्वास में शुद्ध एवं सत्य हैं। मैने उसमें कुछ भी छुपाया नही है। मैं मिथ्या विवरणों/तथ्यों को देने के परिणामों से भली-भांति अवगत हूँ। यदि आवेदन पत्र में दिये गये कोई विवरण/तथ्य मिथ्या पाये जाते हैं, तो मैं, मेरे विरूद्ध भा0द0वि0, 1960 की धारा-199 व 200 एवं प्रभावी किसी अन्य विधि के अंतर्गत अभियोजन एवं दण्ड के लिये, स्वयं उत्तरदायी होऊँगा/होऊँगी।

मै यह भी घोषणा करता/करती हूँ कि यदि मेरे द्वारा की गई दस्तावेजों का स्व-प्रमाणीकरण या घोषणा गलत पायी जाती है या मेरे द्वारा गलत दस्तावेजो का स्व प्रमाणीकरण किया जाता/गया है, तो मेरे द्वारा प्राप्त की गयी सभी प्रकार की सुविधायें तत्काल वापस ले ली जाए।

स्थान.....आवेदक/आवेदिका के हस्ताक्षर.....

दिनांक..... आवेदक/आवेदिका का नाम.....

http://shasanadesh.up.nic.in